# बीरा दो दिन को मेहमान आखिर जाना पड़ेला रे

बीरा दो दिन को मेहमान,
आखिर जाना पड़ेला रे।bd।

---

दुर्लभ जन्म अमोलक भाय,
कर कुछ पुरुषार्थ चित लाय,
क्यों तन को देख रहा इतराय,
जो माटी माय सडेला रे,
बीरा दो दिन को मेंहमान,
आखिर जाना पड़ेला रे।bd।

---

मोह में रहा रात दिन दौड़,
कर चाहे संचित लाख करोड़,
मुजी मर जासी धन जोड़,
फिर पाछे कुटुंब लड़ेला रे,
बीरा दो दिन को मेंहमान,
आखिर जाना पड़ेला रे।bd।

---

जिन्हें तू अपना माने यार,
कहां तेरा कर्म भोग हकदार,
जरा तू क्यों नहीं करें विचार,
नहीं कोई भीड़ चढ़ेला रे,
बीरा दो दिन को मेंहमान,
आखिर जाना पड़ेला रे।bd।

---

कर मनमानी जन्म तू एक,
जो भुगतेला जन्म अनेक,
भारती पूरण तज दे टेक,
हाड यमदूत घड़ेला ले,
बीरा दो दिन को मेंहमान,
आखिर जाना पड़ेला रे।bd।

---

बीरा दो दिन को मेहमान,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आखिर जाना पड़ेला रे।bd।

गायक – पुरण भारती जी महाराज।

Upload By – Aditya Jatav
8824030646

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com